

जननिक सिनर ने चीन ओपन खिलाब जीता, करियर का 21वां टाइटल

- इटली के स्टार ने 21वां एटीपी खिलाब जीतकर रैंकिंग पर नजर जमाई
- सिनर ने फाइनल में 6-2, 6-2 से अमेरिकी किशोर टीएन को हराया
- यह जीत उनके करियर का 21वां एटीपी खिलाब साबित हुई
- बीजिंग में दूसरी बार ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे पुरुष खिलाड़ी बने
- 1 घंटे 12 मिनट में 10 ऐस के साथ फाइनल एकतरफा रहा

बीजिंग, 01 अक्टूबर. इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जननिक सिनर ने बुधवार को चीन ओपन फाइनल में अमेरिकी किशोर लर्नर टीएन को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर का 21वां एटीपी खिलाब जीत लिया।
दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने बीजिंग के हार्ड कोर्ट पर दूसरी बार ट्रॉफी उठाई। इससे पहले उन्होंने 2023 में अपने टूर्नामेंट डेब्यू पर दानिल मेदवेदेव को फाइनल में हराया था।
24 वर्षीय सिनर नोवाक जोकोविच (छह खिलाब) और राफेल नडाल (दो खिलाब) के बाद चीन ओपन में कई खिलाब जीतने वाले तीसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। बीजिंग के सेंटर डायमंड कोर्ट पर उनकी एकमात्र हार पिछले साल कालोस अल्कराज के खिलाफ फाइनल में



सीजन का तीसरा बड़ा खिलाब
बीजिंग में सिनर की यह जीत इस सीजन का उनका तीसरा बड़ा खिलाब है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में भी जीत दर्ज की थी। अल्कराज के शार्पशूटर्स से चोट के कारण बाहर होने के बाद, सिनर के पास सीजन समाप्त होने से पहले दुनिया के शीर्ष रैंकिंग को छीनने का मौका है। सिनर शार्पशूटर्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे।

एकतरफा फाइनल
सिनर ने 19 वर्षीय टीएन को शुरू से ही दबाव में रखा। उन्होंने पहले सेट में तुरंत ब्रेक हासिल किया। अपने पहले एटीपी फाइनल में खेल रहे विश्व नंबर 52 टीएन को दूसरे सेट के दूसरे गेम में ब्रेक का दुर्लभ मौका मिला, लेकिन सिनर ने तुरंत नियंत्रण वापस ले लिया। सिनर ने 1 घंटे 12 मिनट तक चले इस एकतरफा फाइनल को 10 ऐस के साथ समाप्त किया।
अगर टीएन यह खिलाब जीतते तो वह बीजिंग के इतिहास में सबसे कम रैंकिंग वाले चैंपियन होते।



19 पदकों के साथ जूनियर विश्व कप का समापन

कुल आठ देशों ने जीते पदक, भारत का दबदबा कायम
नई दिल्ली, 01 अक्टूबर. भारत ने नई दिल्ली में संपन्न हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
भारत ने ओलंपिक स्पर्धाओं में 6 स्वर्ण, 8 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 19 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इसके अलावा, भारत ने गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं जैसे 50 मीटर राइफल प्रोन और 25 मीटर पिस्टल पुरुष व्यक्तिगत में भी दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते, जिससे पदक की कुल संख्या 26 हो गई। इस सप्ताह कुल आठ देशों ने पदक जीते, जिनमें से भारत, एआईएन (व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट), इटली, क्रोएशिया और चेकिया ने स्वर्ण पदक हासिल किए। पदक तालिका में भारत के बाद एआईएन 10 पदक (4 स्वर्ण) के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि इटली पांच पदक (2 स्वर्ण) के साथ तीसरे स्थान पर।
प्रतियोगिता के अंतिम दिन, भारत की तेजस्वीनी सिंह ने जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। इस स्पर्धा का स्वर्ण एआईएन की अलेक्जेंड्रा तिखोनोवा ने जीता वहीं, गैर-ओलंपिक 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर व्यक्तिगत स्पर्धा में जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेल्लवल्ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

शतरंज ग्रैंड चैस टूर: सेमीफाइनल में प्रज्ञानंद की चुनौती समाप्त

साओ पाउलो (ब्राजील), 01 अक्टूबर. भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद का ग्रैंड चैस टूर फाइनल 2025 में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। बुधवार को खेले गए कड़े मुकाबले में उन्हें फ्रांस के ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों 11-17 से हार का सामना करना पड़ा।
क्लासिकल गेम टाई रहने के बाद, खिलाड़ियों ने दो रैपिड और चार ब्लिट्ज गेम खेले। वाचियर-लाग्रेव ने पहले रैपिड गेम में जीत दर्ज कर चार अंकों की बढ़त बना ली, जबकि दूसरा गेम ड्रा रहा।
ब्लिट्ज राउंड में प्रज्ञानंद दो बार स्कोर बराबर करने के करीब



पहुंचे, लेकिन जीत की स्थिति में होने के बावजूद वह चूक गए। अब फाइनल मुकाबले में वाचियर-लाग्रेव का सामना फैंसियानो कारुआना से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में लेवोन आरोनियन को 15-13 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाएगी हरमनप्रीत की टीम

बीसीसीआई सूत्र ने किया पुष्टि
दॉस, फोटोशूट और मैच समाप्ति पर नहीं होगी कोई परंपरा; द्विपक्षीय तनाव चरम पर
कोलंबो, 01 अक्टूबर. भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं, जिसका सीधा असर अब महिला क्रिकेट पर भी देखने को मिलेगा।
दुबई में एशिया कप के दौरान भारतीय पुरुष टीम द्वारा स्थापित हाथ न मिलाने की मिसाल के अनुसार ही, हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम भी पांच अक्टूबर को कोलंबो में होने वाले महिला विश्व कप मुकाबले के दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ियों से हाथ मिलाने की परंपरा नहीं अपनाएगी। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि महिला टीम भी पुरुष टीम द्वारा अपनाई गई नीति को पालन करेगी। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई सरकार के अनुसार काम करेगा और टॉस के समय हाथ मिलाने की कोई परंपरा नहीं होगी, मैच रेफरी के साथ कोई फोटोशूट नहीं होगा और खेल के अंत में भी कोई हाथ मिलाने की नीति नहीं होगी। तटस्थ अधिकारी कराएंगे टॉस। इस माहौल में कोलंबो में टॉस कौन



कप मुकाबले के दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ियों से हाथ मिलाने की परंपरा नहीं अपनाएगी। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि महिला टीम भी पुरुष टीम द्वारा अपनाई गई नीति को पालन करेगी। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई सरकार के अनुसार काम करेगा और टॉस के समय हाथ मिलाने की कोई परंपरा नहीं होगी, मैच रेफरी के साथ कोई फोटोशूट नहीं होगा और खेल के अंत में भी कोई हाथ मिलाने की नीति नहीं होगी। तटस्थ अधिकारी कराएंगे टॉस। इस माहौल में कोलंबो में टॉस कौन

भारत मुझसे एशिया कप ट्रॉफी ले सकता है: नकवी

दुबई, 01 अक्टूबर. एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप 2024 की ट्रॉफी विवाद को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि भारतीय टीम को ट्रॉफी तभी मिलेगी जब वह सीधे उनसे ट्रॉफी स्वीकार करेगी।
नकवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एसीसी अध्यक्ष होने के नाते, मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूँ। अगर वे सचुच इसे चाहते हैं, तो वे एसीसी कार्यालय आकर मुझसे इसे ले सकते हैं।
नकवी की यह टिप्पणी दुबई में हुई एसीसी बैठक के बाद आई है, जिसमें बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने किया था। इस बैठक में भी सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को ट्रॉफी और विजेता पदक सौंपने पर कोई निर्णय नहीं हो पाया। यह गतिरोध एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के बाद एक तनावपूर्ण क्षण से उभरा था।



नकवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एसीसी अध्यक्ष होने के नाते, मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूँ। अगर वे सचुच इसे चाहते हैं, तो वे एसीसी कार्यालय आकर मुझसे इसे ले सकते हैं।



एम्बाप्पे की हैट्रिक से 5-0 से जीता

चैंपियंस लीग रियल मैड्रिड की शानदार वापसी
अलमाटी, 01 अक्टूबर. शनिवार को ला लीगा में चिर प्रतिद्वंद्वी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों मिली 5-2 की अपमानजनक हार से उबरते हुए रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग में शानदार वापसी की है। टीम ने मंगलवार को चैंपियंस लीग में पहली बार उत्तरे कैराट अलमाटी को 5-0 से करारी शिकस्त दी।
इस जीत के नायक रहे फ्रांसीसी सुपरस्टार किलियान एम्बाप्पे, जिन्होंने अकेले ही हैट्रिक जमाई और इस सीजन चैंपियंस लीग में अपने गोलों की संख्या पाँच कर ली।
मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, हमें शनिवार को जो हुआ, उसे कभी नहीं भूलना चाहिए। हाँ, यह एक अलग प्रतियोगिता है, लेकिन हमें अपनी गलतियों से सीखने के लिए उस हार के बारे में सोचते रहना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसा दोबारा न हो। अपने प्रदर्शन पर, उन्होंने कहा, मेरा काम टीम की मदद करना है, और मैं केवल टीम को मैच और ट्रॉफी जीतने में मदद करने के बारे में सोचता हूँ। मुझ जैसा खिलाड़ी, जिसे पाँच गोल मिलते हैं, वह चाहता है और उसे पाँचों गोल करने होते हैं।

मार्श की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया जीता

कप्तान मिचेल मार्श ने 43 गेंद में जड़े 85 रन
रॉबिन्सन का शतक गया बकार
बे ओवल (न्यूजीलैंड), 01 अक्टूबर. कप्तान मिचेल मार्श (85रन) के आक्रामक अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को चैम्पल-हैडली ट्रॉफी के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।
न्यूजीलैंड द्वारा दिए गए 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, मार्श ने बे ओवल में केवल 43 गेंद में नौ चौके और पाँच छक्के लगाते हुए 85 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 21 गेंद शेष रहते चार विकेट पर 185 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्कस स्टोईनिस ने विजयी चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।
इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत खराब रही और दो ओवर में छह रन पर ही उसके तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद टिम रॉबिन्सन ने अकेले संघर्ष करते हुए 65 गेंद में नाबाद 106 रन बनाए, जो उनका पहला टी20 शतक है। रॉबिन्सन और डेरिल मिचेल (34 रन) ने चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े।



इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत खराब रही और दो ओवर में छह रन पर ही उसके तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद टिम रॉबिन्सन ने अकेले संघर्ष करते हुए 65 गेंद में नाबाद 106 रन बनाए, जो उनका पहला टी20 शतक है। रॉबिन्सन और डेरिल मिचेल (34 रन) ने चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े।

रोजर को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फ़ेम में नामांकित

रोजर फेडरर पहले पुरुष खिलाड़ी जिन्होंने जीते 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिलाब

- फेडरर 2026 हॉल ऑफ फ़ेम की खिलाड़ी श्रेणी में शामिल हुए।
- उन्होंने 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिलाब और 103 ट्रॉफियां जीतीं।
- रिकॉर्ड 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 बने रहे।

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर. टेनिस जगत के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक रोजर फेडरर को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फ़ेम की क्ल्यास ऑफ 2026 के लिए नामांकित किया गया है। उनके नामकरण की घोषणा बुधवार को की गई। फेडरर को साथ दो बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन स्वेतलाना कुज़नेत्सोवा और 2009 यूएस ओपन विजेता जूआन मार्तिन डेल पोर्टो भी हॉल ऑफ फ़ेम की खिलाड़ी श्रेणी में शामिल हैं।
फेडरर ने पाँच सीजन एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर समाप्त किए और रिकॉर्ड 237 लगातार हफ्तों तक शीर्ष पर बने रहे। उन्होंने 2014 में स्विट्जरलैंड को डेविस् कप खिताब दिलाया और 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्टेन वावरिका के साथ युगल स्वर्ण पदक भी जीता था। अपने करियर के शीर्ष पर, फेडरर ने 2005 से 2007 तक लगातार 10 ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचकर एक रिकॉर्ड बनाया और उस दौरान आठ खिलाब अपने नाम किए।
योगदानकर्ता श्रेणी में टीवी उद्घोषक मैरी केरिलो और प्रशासक मार्शल हैपर को नामांकित किया गया है। फेडरर 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिलाब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी थे और उन्होंने राफेल नडाल व नोवाक जोकोविच जैसे अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों के साथ मिलकर टेनिस में एक अभूतपूर्व महान युग की शुरुआत की। अपने शानदार फोरहैंड और सर्व, आक्रामक, ऑल-कोर्ट शैली और बेहतरीन फुटवर्क के लिए पहचाने जाने वाले फेडरर ने ओपन युग में 103 ट्रॉफियां और 1,251 एकल अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और प्रतिद्वंद्वियों का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।



फेडरर ने पाँच सीजन एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर समाप्त किए और रिकॉर्ड 237 लगातार हफ्तों तक शीर्ष पर बने रहे। उन्होंने 2014 में स्विट्जरलैंड को डेविस् कप खिताब दिलाया और 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्टेन वावरिका के साथ युगल स्वर्ण पदक भी जीता था। अपने करियर के शीर्ष पर, फेडरर ने 2005 से 2007 तक लगातार 10 ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचकर एक रिकॉर्ड बनाया और उस दौरान आठ खिलाब अपने नाम किए।

एक नजर में

हम चाहते हैं ऐसी पिचें, जो बल्लेबाज-गेंदबाज दोनों को कुछ दें
अहमदाबाद. न्यूजीलैंड के हाथों पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में 3-0 से मिली करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीरीज में हार्ड और धीरे वाला क्रिकेट खेलने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अहमदाबाद टेस्ट से एक दिन पहले पत्रकारों से बात करते हुए गिल ने कहा, पिछले कुछ सालों में हमारे टेस्ट मैच पाँच दिन तक नहीं चले हैं। हमारा लक्ष्य हार्ड क्रिकेट खेलना है, क्योंकि इंग्लैंड में हमने जो टेस्ट खेले, वे सभी पाँचवें दिन तक गए थे। हम अच्छा और धीरे वाला क्रिकेट खेलेंगे और आसान विकल्प नहीं तलाशेंगे। गिल ने कहा कि भारतीय टीम में किसी भी स्थिति में दबदबा बनाने की और वापसी करने की आवश्यकता नहीं है। पिछले कुछ समय से भारत में टेस्ट के लिए टर्निंग पिचें बनाने की आलोचना पर गिल ने स्पष्ट विचार रखा। उन्होंने कहा, मैं उन चर्चाओं पर टिप्पणी नहीं कर सकता जो मेरे आने से पहले हुईं। लेकिन हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहेंगे जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को कुछ दें। उन्होंने माना कि भारत आने वाली टीमें को लिए स्पिन और रिवर्स स्पिंग हमेशा से असली चुनौती रही है।

प्रतिस्पर्धा नए ओलंपिक भार वर्ग में चोट के बाद वापसी; कोच प्रदर्शन के आकलन पर करेंगे काम

मीराबाई चानू 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, पदक की एकमात्र उम्मीद

नई दिल्ली. भारत की पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू बृहस्पतिवार से शुरू हो रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखेंगी। 12 सदस्यीय भारतीय टीम में 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता मीराबाई देश की एकमात्र प्रमुख पदक दावेदार हैं। 31 वर्षीय मीराबाई ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए नए भार वर्ग के चक्र में 49 किग्रा से 48 किग्रा वर्ग में जाने का विकल्प चुना है।
चोट से वापसी और लक्ष्य-टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चोट के कारण एक साल के रिहैबिलिटेशन के बाद अगस्त में लौटी थीं। उन्होंने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 193 किग्रा का वजन उठाया था। मुख्य कोच विजय शर्मा ने बताया कि यह टूर्नामेंट टीम को यह समझने में मदद करेगा कि मीरा में क्या कमी है और किन चीजों पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 48 किग्रा वर्ग में कई नए भारोत्तोलक हैं, इसलिए हम अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए प्रतिस्पर्धा



चोट से वापसी और लक्ष्य-टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चोट के कारण एक साल के रिहैबिलिटेशन के बाद अगस्त में लौटी थीं। उन्होंने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 193 किग्रा का वजन उठाया था। मुख्य कोच विजय शर्मा ने बताया कि यह टूर्नामेंट टीम को यह समझने में मदद करेगा कि मीरा में क्या कमी है और किन चीजों पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 48 किग्रा वर्ग में कई नए भारोत्तोलक हैं, इसलिए हम अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए प्रतिस्पर्धा

भारतीय दल
महिला: मीराबाई चानू (48 किग्रा), बिंधारानी देवी (58 किग्रा), निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा), महक शर्मा (+86 किग्रा)।
पुरुष: ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), एम राजा (65 किग्रा), एन अजित (71 किग्रा), अजय वल्लुरी बाबू (79 किग्रा), दिलबग सिंह (94 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)।
पर नजर रखेंगे। मीराबाई को एशियाई चैंपियन थाईलैंड की थान्याथान सुकचारोएन और पिछली कांस्य पदक विजेता फिलीपींस की रोजगी रामोस से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है, जबकि उत्तर कोरिया की री सोंग गम स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार बनी हुई हैं। अन्य भारतीय भारोत्तोलक के लिए यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और प्रतिद्वंद्वियों का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।